वार्तालाप नं.485, जलगांव-2 (महाराष्ट्र), दिनांक 07.01.08

Disc.CD No.485, dated 07.01.08 at Jalgaon-2 (Maharashtra)

समय: 03.37-05.25

जिज्ञासु- बाबा, आदि में जो ब्रह्मा था उसकी लाश भी गुम कर दी गई मतलब।

बाबा- उसकी लाश है कहीं? उसका अता-पता मिल रहा है?

जिज्ञासु- नहीं।

बाबा- तो फिर।

जिज्ञासु- गुम कर दी गई मतलब?

Time: 03.37-05.25
Student: Baba, what is meant by 'even the corpse of Brahma who existed in the beginning has been misplaced?
Baba: Is his corpse present anywhere? Do we have any information about him?
Student: No.
Baba: Then?
Student: What is meant by ' it has been misplaced' '?

बाबा- माना यज्ञ के आदि में ऐसा कुछ हुआ इतना ज्यादा विरोधाभास हुआ कि उसका अता-पता कुछ भी नहीं मिल रहा है। कौन है, कहाँ है, क्या है, कहाँ चला गया? बहुत खोज करेंगे तो परिवार में तो कुछ न कुछ तो निकलेगा। और ये दीदी, दादियाँ जो पहले सन 76 से पहले एडवांस ज्ञान निकलने से पहले पियु की बहुत बातें सुनाती थीं। क्या? पियु की हिस्ट्री सुनाती थी। जैसे ही एडवांस ज्ञान निकला पियु की एक बात मुख से निकलना बंद हो गई। और बाबा ने इशारा दे दिया ये धोबीघाट जो है ना। ये जो बेहद का धोबी आया हुआ है ना। ये धोबीघाट यज्ञ के आदि से चलता चला आया है। तो इस धोबीघाट में जो पुराने-2 कपड़े हैं इनके कपड़े धोए गए होंगे कि नहीं धोए गए होंगे? धोए गए होंगे। लेकिन उसका नाम लेने में शर्म आती है। इसी बात को लेकरके जिन्होंने नहीं समझा। उन्होंने झगड़ा खड़ा कर दिया। क्या? दो पार्टियाँ किस लिए हुई? झगड़ा किस लिए हुआ? न समझने के कारण और जिन्होंने समझा वो चुप-चाप रहे, शांत रहे।
Baba: It means that something happened in the beginning of the *yagya*; there was such great opposition that we are not able to find any information about him. Who is he, where is he, where did he go? If we search a lot, we may find something or the other from the family. And these Didis, Dadis, who used to narrate a lot of things about Piu (the Father) before (19)76, before the advent of the advance knowledge; what? They used to narrate the history of Piu. As soon as the advance knowledge emerged, they stopped speaking about Piu. And Baba gave a hint, 'this laundry (*dhobighat*); this washerman in an unlimited sense has come, hasn't he? This laundry has been functioning since the beginning of the yagya'. So, the old ones who are now sitting (in the Brahmin family), their clothes must have been washed in the laundry or not? They must have been washed. But they feel ashamed to take his name. Those who did not understand this started a dispute. What? Why did two parties emerge? Why did

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

the dispute emerge? It was due to lack of understanding and those who understood remained silent, calm.

समय: 5.27-11.50

जिज्ञासु- बाबा, कहते हैं ना मधुबन वालों को मधुबन छोड़ना पड़ेगा। तो किस आधार से बाबा?

बाबा- मधुबन वालों को मधुबन छोड़ना पड़ेगा। गीतापाठशाला वालों को गीतापाठशाला छोड़नी पड़ेगी।

जिज्ञासु- ऐसा कौन-सा वॉरन्ट?

बाबा- आधा विनाश देखा? ब्राह्मणों की दुनियाँ में जो आधा विनाश हुआ सो सुना भी नहीं?

जिज्ञासु- 76 में।

बाबा- 76 मे आधा विनाश हुआ? वो तो बेसिक की बात है।

जिज्ञासु- 98 में।

Time: 5.27-11.50
Student: Baba, it is said that the residents of Madhuban will have to leave Madhuban. So, what is the basis for that Baba?
Baba: The residents of Madhuban will have to leave Madhuban. The residents of Gitapathshalas will have to leave Gitapathshalas.
Student: What kind of a warrant [will come]?
Baba: Did you see the semi-destruction? Did you not even hear about the semi-destruction that took place in the world of Brahmins?
Student: In (19)76.
Baba: Did semi-destruction take place in (19)76? That is about the basic (knowledge).
Student: In (19)98.

बाबा- हाँ। 98 में। जो भक्तिमार्ग में दिखाते हैं कृष्ण का जन्म हुआ। महाभारी महाभारत युद्ध रचा। वो कौनसे युग के अंत की बात है? द्वापर के अंत की बात है। तो द्वापर अंत की शूटिंग कहाँ होती है। जो शास्त्रों में ये सारा वर्णन कर दिया है। कहाँ की यादगार है? द्वापरयुगी शूटिंग का जब अंत होता है। ब्राह्मणों की संगमयुगी दुनियाँ में एडवांस में तो आधा विनाश होता है। क्या? आधा विनाश हुआ। उस समय अखबारों में, टी.वी. में। चारों तरफ कुछ न कुछ ग्लानि उड़ाई गई कि नहीं उड़ाई गई। और जब ग्लानि उड़ती है तो कच्ची-2 आत्मायें टूटती हैं या रह जाती हैं?
Baba: Yes. In (19)98. It is shown in the path of bhakti that Krishna was born. He caused the *Mahabhari* Mahabharata war. It is about the end of which age? It is about the end of the Copper Age. So, when does the shooting of the end of the Copper Age take place? All this has been described in the scriptures. It is a memorial of which time? When the Copper Age shooting ends in the Confluence Age world of Brahmins, in advance (party) then the semi-destruction takes place. What? Semi-destruction took place. Did defamation take place through the newspapers and TV at that time or not? And when defamation takes place, then, do the weak souls break away or stay back?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

एडवांस में भी बहुत ढेर सारे टूट गए कि नहीं टूट गए? सिर्फ बाहर वाले नहीं टूटे। अंदर वाले भी जो सरेण्डर हैन्ड्स थे वो भी भाग खड़े हुए मारे डर के। तो आधा विनाश हुआ तब तो ऐसा हो गया। उसका असर कलकत्ते में भी हुआ खादिम शू कम्पनी का जब मामला निकला। खादिम शू कम्पनी का जो किडनेपिंग का केस हुआ उसमें सैकड़ों पकड़ लिए गए। उसमें कलकत्ते के जो मुख्य भाई जिन्होंने मिनीमधुबन दिया है रविन्द्र भाई। उसको भी फर्रूखाबाद से पकड़कर ले गए। और वहाँ जाकरके वो ग्लानि की। अखबारों में ग्लानि सारे ही अखबारों में। टी.वी में सारे ही टी.वी चैनल्स में ग्लानि। रेडियों में ग्लानि ऐसी हालत हो गई सेंटर की कि जो भी आने वाले थे वो सब आना बंद कर दिए। और अपनी-2 कन्याओं को ले जाकर, ले जाने लगे। वो तो आधा विनाश की बात है। और जब टोटल विनाश होगा तब क्या होगा?

Even in the advance (party), did numerous people break away or not? It was not just the outsiders (i.e. the non-surrendered category) who broke away. Even the insiders, the surrendered hands ran away out of fear. So, this happened when the semi-destruction took place. Its influence was seen even in Calcutta when the case of Khadim Shoe Co. happened. Hundreds of people were arrested in the kidnapping case related to the Khadim Shoe Co. In that the main brother of Calcutta, who has given the minimadhuban, i.e. Ravindra bhai was also caught from Farrukhabad. And he was defamed after going there. All the newspapers carried defamation. There was defamation in all the TV channels. There was defamation on the Radio. The situation became such that all the students to came to the center stopped coming. And they started taking their daughters away. That is about the semi-destruction. And what will happen when total destruction takes place?

जिज्ञासु- माना शंकर द्वारा साक्षात्कार शुरू हो जायेंगे।

बाबा- साक्षात्कार शुरू हो जायेंगे! एडवांस की आत्माओं को साक्षात्कार होते हैं क्या?

जिज्ञासु- नहीं लेकिन आदि सो अंत कहा है ना।

बाबा- अरे! आधा विनाश में जब ऐसा नजारा हो सकता है तो जब टोटल विनाश होगा। तो क्या नज़ारा होगा? हालतें खराब हो जायेंगी। गाँव वाले, समाज वाले, सरकार वाले जीने नहीं देंगे। कलकत्ते में ये हालत थी कि गाँव वालों ने घर जला दिए। तुमने लड़की का सत्यानाश कर दिया लेके आओ नहीं तो हम घर जला देंगे। जला दिए। प्रशासन कुछ भी नहीं कर सका। वो तो आधा विनाश है।

Student: Does it mean visions will begin through Shankar?
Baba: Visions will begin! Do the souls of advance (party) have visions?
Student: No. But it has been said that as the beginning so the end.
Baba: Arey! When such sceneries can emerge in semi-destruction, then what will be the scene when the total destruction takes place? The circumstances will worsen. The people of your village, the people of your society, your government will not allow you to live. The condition was so [bad] in Calcutta that the people of the village burnt the houses (of some PBKs). You have destroyed the life of your daughter. Bring her back otherwise we will burn your house. They burnt it. The administration could not do anything. That is semi-destruction.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जब टोटल होगा तब क्या होगा? और पहले बीजरूप आत्माओं की दुनियाँ में विनाश होगा कि पहले जड़ों पर बैठे हुए आधारमूर्त की दुनियाँ में विनाश होगा कि पहले बाहर की दुनियाँ का विनाश होगा? पहले तो हर काम अंदर से शुरू होता है। सफाई अंदर शुरू होगी या बाहर से शुरू होगी? दीपावली पर दीपक जगाते हैं, लक्ष्मी का आवाहन करते हैं। तो लक्ष्मी के आने से पहले जब कचड़ा साफ करते हैं कीड़े-मकोड़े भगाते हैं तो अंदर से भगाते हैं या पहले बाहर से कचड़ा इकट्ठा करके अंदर लाते हैं? यहाँ तो इतने-2 ऐसे ढेर के ढेर बैठे हुए हैं जिनमें तो बहुत से तो ऐसे बैठे हुए हैं कि देखें कैसा होता है भगवान। भगवान है कि शैतान है देखें तो जाके। अभी-2 निश्चय बुद्धि और घर गए ग्लानि करना शुरू कर दी। अनिश्चय बुद्धि। तो ये सब स्वर्ग में चले जावेंगे क्या? इतने ढेर सारे जो एडवांस में निकल रहे हैं वो सारे ही स्वर्ग में चले जावेंगे कि छंटे छंटाए जायेंगे?

What will happen when total (destruction) takes place? And will the destruction take place first in the world of seed-form souls or will it first take place in the world of supporting souls sitting on the roots or will it first take place in the outside world? Every task first begins from inside. Will the process of cleaning begin from inside or from outside? Lamps are lighted on Deepawali; Lakshmi is welcomed. So, before the arrival of Lakshmi, when they remove the garbage, when insects and spiders are removed, are they first removed from inside or is the garbage collected from outside and brought inside (the house)? Here, there are numerous such people sitting who think, 'let us see what God is like'. Let me go and see if He is God or devil? Just now they develop faith and as soon as they go home, they start defaming. They lose faith. So, will all of them go to heaven? Will all those numerous people who are coming into the advance [knowledge] go to heaven or will the filtered ones go?

जिज्ञासु- स्वर्ग में तो छटे-छटाए ही जायेंगे।

बाबा- फिर? तो विनाश होना ज़रूरी है या नहीं? गीतापाठशाला वालों को गीतापाठशालायें छोड़नी पड़ेगी। क्या? क्योंकि बहुत से गीतापाठशाला वाले ऐसे हैं जो पूरे डायरेक्शन फॉलो ही नहीं करते। गीतापाठशाला खोल के बैठ गए। गीतापाठशाला का हिसाब-किताब कुछ भी ऊपर नहीं पहुँच रहा है। बाबा का घर बन गया। गीतापाठशाला खुल गई।

Student: Only the filtered ones will go to heaven.

Baba: Then? So, is destruction necessary or not? The residents of *Gitapathshalas* will have to leave the *Gitapathshalas*. What? It is because many of the residents of *Gitapathshalas* are the ones who do not follow the complete direction. They have opened *Gitapathshala.* No account of the *Gitapathshala* is reaching above (i.e. to the head office). It has become Baba's home. *Gita Pathshala* has been opened (but no account is being sent).

समय: 11.51-12.48

जिज्ञासु- सूक्ष्म शरीरधारी आत्मा कोई में प्रवेश करती है और कार्य करती है। जब वो कार्य करती है तो उस कार्य का बेनिफिट किसको मिलता है बाबा?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा- शरीरधारी को मिलता है। शरीर के द्वारा पाप-पुण्य बनता है या बिना शरीर के पाप-पुण्य बनता है? तो जिसका शरीर होगा उसका पाप-पुण्य बनेगा। उस शरीरधारी ने पूर्व जन्म में ऐसी दुष्ट आत्मा के साथ काहेके लिए चिपकाव पैदा कर लिया? जानते भी हैं कि दुष्ट खून का है लेकिन चेहरा-मोहरा देख लिया पसंद आ गया। बस चिपकना शुरू। तो हिसाब-किताब बनेगा नहीं? वो छोड़ देगा? वो तो अपना हिसाब-किताब पूरा करेगा।

Time: 11.51-12.48

Student: A subtle-bodied soul enters someone and works. When it works, who reaps the benefit of that task Baba?

Baba: The bodily being gets (the benefits). Does someone accumulate sins and merits through the body or without the body? So, whoever owns the body will accumulate sins and merits. Why did that bodily being develop attachment for such wicked soul in the past birth? He knows that he is born out of a wicked blood, but he saw his face and appearance and liked him; and started developing attachment for him. So, will he develop karmic account or not? Will he leave him alone? He will certainly settle his karmic accounts.

समय: 12.55-14.05

जिज्ञासु- बाबा, मुरली में बोला है हिन्दुस्तान पाकिस्तान का जब बंटवारा हुआ तब तुम्हारा जन्म भी हुआ ना। तो ये बात तुम्हारा किसके लिए लागू होती है 47 के बाद?

बाबा- हिन्दुस्तान पाकिस्तान का जब बंटवारा हुआ तो जो दोनों मातायें थीं। वो वहाँ रह गई कराची में या शरीर छोड़कर चली गईं।

जिज्ञासु- दोनों माताओं के लिए बात लागू होती है।

बाबा- हाँ जी। तुम्हारा कहने वाला बाप है। और तुम्हारा बच्चों के लिए बोला है या तुम्हारा किसी और के लिए बोला है? बच्चों के लिए बोला है।

Time: 12.55-14.05

Student: Baba, it has been said in a Murli that when India was divided into India and Pakistan, you were born too, weren't you? So, after (19)47, to whom does this 'you' apply?

Baba: When India was divided into India and Pakistan, did the two mothers stay back at Karachi or did they leave their bodies and go?

Student: It is applicable to both the mothers.

Baba: Yes. Is the one who says 'you' is the Father and has the word 'your' been uttered for the children or for anyone else? It has been said for the children.

जिज्ञासु- स्थूल शरीर का जन्म लिया या बेहद की बात है इसमें?

बाबा- बेहद का कैसे जन्म होता है?

जिज्ञासु- बेहद का बाप तो बेहद की बात करेगा ना।

बाबा- अच्छा तो बेहद का जन्म कैसे होता है?

जिज्ञासु- माना ज्ञान में आना।

बाबा- ज्ञान में आना ये बेहद का जन्म हो गया? इसीलिए बोला है राम ने काहेकी सेना ली?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बंदरों की सेना ली। हर बात में बेहद उठाना। तुम्हारा जन्म हुआ तो कैसा? बेहद का जन्म हुआ!
Student: Did they take a physical birth or is it in an unlimited sense?
Baba: How does someone take a birth in an unlimited sense?
Student: The unlimited Father will talk in an unlimited sense only, will He not?
Baba: OK, so how does someone take birth in an unlimited sense?
Student: It means coming in knowledge.
Baba: Does coming into knowledge mean a birth in an unlimited sense? This is why it has been said, whose army did Ram take? He took an army of monkeys. You take everything in an unlimited sense. 'When you took birth, what kind of birth was it? It was an unlimited birth!'

समय:14.07-14.48

जिज्ञासु- बाबा, एक मुरली में बताया है वैष्णवी आएगी तब धारणा होगी?

बाबा- वैष्णवी आएगी तब धारणा नहीं होगी। वैष्णवी आएगी, राधा आएगी तो कृष्ण की धारणा पक्की होगी। ऐसे नहीं कि राधा के आने से 16000 की धारणा पक्की हो जाएगी। क्या? पुरूषार्थ में भी आधा-2 होता है। अर्धांगिनी का मतलब क्या है? आधा-2।

जिज्ञासु- माना नम्बरवार होगी?

बाबा- हाँ जी।

Time: 14.07-14.48
Student: Baba, it has been said in a Murli that we will be able to put knowledge into practice (dharna) when Vaishnavi comes.
Baba: It is not so that *dharna* will take place when Vaishnavi comes. When Vaishnavi comes, when Radha comes, Krishna's *dharna* will become perfect. It is not as if the *dharna* of 16000 (souls) will become perfect as soon as Radha comes. What? Even in case of spiritual effort, it is half and half. What is meant by '*ardhaangini*'(wife)? Half and half.
Student: Does it mean it will be according to each one's rank?
Baba: Yes.

समय: 14.50-15.30

जिज्ञासु- बाबा खुदाई में शिवलिंग मिलता है। लेकिन अजंता..... में तो सब गौतम बुद्ध की मूर्तियाँ हैं। वहाँ तो ऐसा देवी-देवता धर्म की ऐसे कोई मूर्ति नहीं है।

बाबा- क्यों विष्णु की मूर्तियाँ नहीं निकली हैं?

जिज्ञासु- गौतम बुद्ध की ज्यादा मूर्तियाँ हैं।

बाबा- हाँ तो सनातनी मूर्तियाँ भी निकली हैं, बौद्ध धर्म की मूर्तियाँ भी निकली हैं।

जिज्ञासु- नहीं पर ज्यादा तो मूर्तियाँ बौद्ध धर्म की हैं।

बाबा- हाँ तो उस समय ज्यादा प्रभाव बौद्ध धर्म का होगा। जिस समय अजंता, एलोरा की, एलीफेन्टा की गुफायें बनी हैं। उस समय जैन धर्म और बौद्ध धर्म का प्रभाव ज्यादा बढ़ गया।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 14.50-15.30
Student: Baba, Shivlings are found in excavations. But in Ajanta……all the idols are of Gautam Buddha. There are no idols of deity religion as such.
Baba: Why? Have the idols of Vishnu not been found?
Student: There are more idols of Gautam Buddha.
Baba: Yes, so the idols belonging to Sanatan dharma have also been found and idols related to Buddhism have also been found.
Student: No. But most idols are related to Buddhism.
Baba: Yes. So, at that time there must be a greater influence of Buddhism. When the caves of Ajanta, Ellora, Elephanta caves were built, the influence of Jainism and Buddhism spread more.

समय: 15.55-16.44

जिज्ञासु- बाबा, जो मक्का मदीना में उसके नीचे जो शिवलिंग है....

बाबा- नीचे शिवलिंग नहीं है दीवाल में मोहम्मद ने लाकरके कहीं से कोई पत्थर रख दिया था। उसका नाम रख दिया संग-ए-असवद।

जिज्ञासु- वहाँ रात को 12 बजे आवाज आती है "कोई हिंदू है, कोई हिंदू है।" वो क्या है?

बाबा- जो भंडा फोड़ करेगा सो हिंदू ही होगा ना।

जिज्ञासु- आवाज निकलती है बाबा मक्का मदीना में।

बाबा- उनकी मान्यता है कि गंगाजी का जल कोई हिंदू आके यहाँ चढ़ा देगा तो मुसलमानों का विनाश हो जाएगा।

Time: 15.55-16.44
Student: Baba, a Shivling is present below Makka Madina….
Baba: There is no Shivling below it; Mohammad had brought a stone from somewhere and embedded it in the wall. It was named as Sang-E-Aswad.
Student: A sound, 'there is a Hindu, there is a Hindu' emerges there at midnight. What is that?
Baba: The one who brings out the truth will be a Hindu only, will he not?
Student: Baba, a sound emerges in Mecca Madina.
Baba: They believe that if a Hindu brings the water of river Ganges and sprinkles it there, then the Muslims will be destroyed.

समय:24.18-25.29

जिज्ञासु- बाबा, कांग्रेस का अर्थ बोला है मुरली में बाबा ने ज्यादा कौंव-2 करने वाले। और दूसरी तरफ बोला है कि गांधी मरा तो किसी कांग्रेसी साहूकार के घर में जन्म लिया।

बाबा- हाँ जी।

जिज्ञासु- तो यहाँ बेहद में तो ब्रह्मा की आत्मा शरीर छोड़ती है और बाप में प्रेवश कर लेती है। तो वो तो कांग्रेसी साहूकार बोल दिया उसको।

बाबा- हाँ तो कांग्रेस माना ॥j॥ सरकार भी तो होता है।

जिज्ञासु- लेकिन उसका तो निगेटिव अर्थ बोला है ना कांग्रेस का तो।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा- ओहो जो कांग्रेसी हैं वो आधे नास्तिक हैं या नहीं हैं उनमें आर्यसमाजियों की संख्या ज्यादा है या नहीं है? है ना। तो बाप भी अंतिम जन्म में नास्तिक बन जाता है या आस्तिक रहता है? भारत इस समय पूरा नास्तिक है। आस्तिक उसको कहा जाता है जो कोई साकार के आधार पर चलता है। आस्था पर चलता है।$PpP जो भारत का पार्ट है जिसमें भगवान आते हैं वो कोई साकार व्यक्ति के आधार पर चलता है? नहीं चलता।

Time: 24.18-25.29
Student: Baba, it has been said by Baba in the Murlis that Congress means those who caw a lot. And on the other hand it has been said that when Gandhi died, he took birth at the home of a prosperous Congressman.
Baba: Yes.
Student: So, here in an unlimited sense, the soul of Brahma leaves the body and enters the father. So, he has been said to be the prosperous Congressman.
Baba: Yes. So, Congress also means the government.
Student: But Congress has been interpreted in a negative sense.
Baba: Oho! Are the Congressmen semi-atheists or not? Is the number of Aryasamajis among them more or not? It is, isn't it? So, does the father also become atheist in the last birth or does he remain a theist? Bhaarat is completely atheist (*naastik*) at this time. The one who follows (the path of knowledge) on the basis of a corporeal is called a theist (*aastik*). He follows some faith (*aastha*). Does the part of *Bhaarat*, in whom God comes, follow (the path of knowledge) on the basis of any corporeal person? He does not.

समय: 31.21-33.38

जिज्ञासु- मुरली में बोला है 4½.5 लाख आत्मायें एक फारलाँग अंतर में दायरे में रहेंगी। फिर बाद में इसका क्लेरिफिकेशन भी दिया था कि ऐसा कुछ बिल्डिंग वगैरे बनाई जाएगी जिसमें 4.5 लाख आत्माओं के रहने की, सोने की, खाने की सब व्यवस्था की जाएगी। तो ये बात सही है ना बाबा?

बाबा- वो आत्मा की बात है या देहधारी की बात है।

जिज्ञासु- शरीर में होंगी ना वो आत्मायें तो।

बाबा- देखो! दिल में जगह होती है तो ढेर सारों के लिए थोड़ा स्थान भी काम कर जाता है और दिल में जगह नहीं होती है तो महल हो फिर भी पूर्ति नहीं पड़ती है।

जिज्ञासु- एक फरलाँग का जो संगठन जमा होगा आत्माओं का, 4½.5 लाख आत्माओं का। तो माऊन्ट आबू में बनेगा या यमुना के कंठे दिल्ली में बनेगा?

Time: 31.21-33.38
Student: It has been told in a Murli that four fifty thousand souls will live in an area of one furlong. Then, later on, its clarification was given that some buildings etc. will be built where arrangements will be made to live, sleep, eat for those four fifty thousand souls. So, is it correct Baba?
Baba: Is it about the soul or about the bodily being?
Student: Those souls will be in body, will they not be?
Baba: Look! If there is place in the heart, then a little space also proves enough for numerous people and if there is no space in the heart, then even a palace does not suffice.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: Will the gathering of souls, four fifty thousand souls within a furlong be formed in Mt.Abu or on the banks of Yamuna in Delhi?

बाबा- माऊन्ट आबू में और दिल्ली में फर्क क्या होगा?

जिज्ञासु- एक तो तपस्या धाम होगा माऊन्ट आबू।

बाबा- जो शांतिधाम होगा वो आत्मिक स्थिति वालों का स्थान है। और जो सुखधाम होगा उस सुखधाम में सारे ही 4½ लाख इकट्ठे हो जायेंगे?

जिज्ञासु- एक-एक करके ट्रान्स्फर होता जाएगा उनका।

बाबा- अच्छा! तो एक-एक करके जब ट्रान्सफर होंगे तो वो आत्मिक स्थिति वाले होंगे या देहभान वाले होंगे? मधुमक्खियों की स्थिति वाले होंगे या देहअभिमानियों की स्टेज वाले, स्थिति वाले होंगे?

जिज्ञासु- होंगे तो साकार में ना।

बाबा- साकार में होंगे। अभी-2 मिसाल बताया ना। कि दिल में जगह होती है। दिल बड़ा होता है तो मकान छोटा भी बड़ा हो जाता है।

Baba: What will be the difference between Mt. Abu and Delhi?
Student: Mt. Abu will be the abode of *tapasya* (intense meditation).
Baba: The abode of peace is the place of those who are in a soul conscious stage. And will all the four fifty thousand souls gather in that abode of happiness?
Student: They will *transfer* one by one.
Baba: OK, so, when they will be transferred one by one, will they be in a soul conscious stage or will they have body consciousness? Will they be in the stage of honey-bees or will they be in a stage of body conscious ones?
Student: They will be in a corporeal form, will they not be?
Baba: They will be in a corporeal form. Just now an example has been given that if there is space in the heart, if someone is large hearted, then a small house also proves to be big.

जिज्ञासु- 4½.5 लाख का जो संगठन जमा होगा तो.....

बाबा- 4.5½ लाख पहले शांतिधाम में इकट्ठे हो जायेंगे या सुखधाम में इकट्ठे हो जायेंगे?

जिज्ञासु- शांतिधाम में।

बाबा- हाँ। सुखधाम में तुरंत नहीं चले जायेंगे। सतयुग में भी जो 9 लाख आबादी होगी पहले जन्म में वो इकट्ठे आ जावेंगे या धीरे-धीरे 150 वर्ष में आते रहेंगे? धीरे-धीरे आते रहेंगे।

Student: When the gathering of four fifty thousand takes place.....
Baba: Will four fifty thousand first gather in the abode of peace or in the abode of happiness?
Student: In the abode of peace.
Baba: Yes. They will not go to the abode of happiness immediately. Even in the Golden Age, will the 9 hundred thousand population of the first birth come at the same time or will they keep coming gradually over a period of 150 years? They will keep coming gradually.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समय: 10.15-13.50

जिज्ञासु- बाबा, जो ज्ञान में चली हुई आत्मा हैं वो शादी क्यों कर लेती हैं?

बाबा- अरे ज्ञान में चलते-2, भट्ठी करने के बाद, दूसरों को पढ़ाई पढ़ाने के बाद, गीता पाठशाला खोलने के बाद फिर भी शादी कर सकते हैं। ये क्या बड़ी बात हो गई।

जिज्ञासु- कर लेते हैं लेकिन बाद में पश्चाताप करते हैं। रिअलाईज़ करते हैं कि अब हम ज्ञान में चलेंगे। हम जाना चाहते हैं बाबा का बनना चाहते हैं। उनको दुःख हो रहा है। तो उनके लिए भी कोई तो नियम, रूल होगा ना।

बाबा- है ना रूल। माफीनामा लिखो दुबारा चलो भट्ठी करके।

जिज्ञासु- तो माफीनामा लिखके फिर दुबारा भट्ठी करके गीता पाठशाला खोल सकते हैं?

बाबा- चल नहीं रहे हैं क्या? ढेर सारे माफीनामा लिख चुके हैं। ज्ञान में चल रहे हैं।

Time: 10.15-13.50

Student: Baba, why do the souls which follow the knowledge get married?

Baba: Arey! They can get married even while following the knowledge, even after doing *bhatti*, even after teaching others, even after opening a *gitapathshala*. It is not a big issue.

Student: They do get married but repent later on. They realize that now they should follow the knowledge. (They think :) we want to go (to do *bhatti*), we want to become Baba's child. They feel sorrowful. So, there must be some rule for them, mustn't there?

Baba: There is a rule, isn't there? They should give a written apology and start following (the knowledge) after doing *bhatti*.

Student: So, can they apologize in writing and undergo *bhatti* once again and then open a gitapathshala?

Baba: Are they not following (the path of knowledge)? Numerous people have given a written apology. They are following knowledge.

जिज्ञासु- माफीनामा लिखके, दुबारा भट्ठी करके, प्रायश्चित करके, क्या दुबारा गीतापाठशाला खोल सकते हैं?

बाबा- गीतापाठशाला कैसे खोलेंगे? मान लो! कोई ज्ञान में चलने वाली सरेन्डर होने वाली कन्या है। कन्या होने के बावजूद भी, सरेन्डर होने के बावजूद भी फिर उसने शादी कर ली। कोई के ऊपर दिल आ गई। अब दोनों मिलकरके माफीनामा लिखते हैं। माफीनामा लिखते हैं, भट्ठी करते हैं। फिर उनको ये परमिशन दे दी जाए कि तुम गीतापाठशाला खोलो?

Student: Can they give written apology, undergo bhatti once again, repent and then open a *gitapathshala* once again?

Baba: How can they open a *gitapathshala*? Suppose a virgin following the knowledge, who has surrendered and despite being a virgin, despite surrendering, she got married. She started loving someone. Now both of them give a written apology. They give a written apology, do bhatti. Then should they be given permission to open a *gitapathshala*?

जिज्ञासु- वो ही तो पूछ रहे हैं ना कि ऐसा होता है क्या?

बाबा- अरे पहले जो गलती की है वो वापस तो करो। परनाला वहीं बहता रहेगा?

जिज्ञासु- कन्या को वापस करें।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा- कन्या को वापस करें? अरे कन्या हो या माता हो कोई भी हो जब तुम ज्ञान में चल पड़े हो। तो अब वो कन्या रह गई तुम्हारी या तुम्हारी पत्नी रह गई कौन है? कौन है?

जिज्ञासु- वो तो बाबा की बन गई।

बाबा- बाबा की बन गई ना। तो जो गलती की है वो गलती वापस करो।

जिज्ञासु- उस युगल को वापस करो।

बाबा- हाँ जी। जहाँ थे जिस ठिकाने पर उसी ठिकाने पर वापस आओ। वापस आने के बाद फिर कहो कि अब हम पोतामेल लिख रहे हैं। माफी माँगते हैं अब हम दुबारा ऐसी गलती नहीं करेंगे।

Student: That is what I am asking; does it happen so?
Baba: Arey! First they should rectify the mistake that they have committed. Will the river continue to flow in the same direction?
Student: Should he return the virgin?
Baba: Should he return the virgin? Arey whether it is a virgin or a mother or anyone, when you have started following the knowledge (once again), then is she a virgin, is she your wife? What is she?
Student: She has become Baba's child.
Baba: She has become Baba's child. So, they should rectify the mistake that they have committed.
Student: He should return his wife.
Baba: Yes. They should come back to the place where they belonged. After returning they should give their *potamail*. (They should give it in writing that) 'I apologize; I will not repeat the mistake.'

जिज्ञासु- कोई बाहर की अज्ञानी दुनियाँ में से शादी कर लेते हैं मान लो भट्ठी किए हुए हैं। तो फिर वो जो युगल बनती है तो वो भी कोर्स क्लास करती है भट्ठी करती है। तो उसका भी ये ही है?

बाबा- क्या?

जिज्ञासु- कि वो अपनी युगल को वापस करेगा बाबा के पास।

बाबा- युगल को क्यों वापस करेगा? वो क्या सरेन्डर हुई थी? वो यज्ञ में सरेन्डर थोड़े ही हुई थी।

जिज्ञासु- नहीं। बाहर की दुनियाँ में उसका दिल लगा और शादी किया। और फिर प्रायश्चित किया, फिर भट्ठी किया।

Student: Suppose someone marries someone from the outside world which is ignorant. Suppose they have done *bhatti*. So, then the person who becomes the wife also undergoes course, class and does bhatti. So, does this (rule) apply to that case also?
Baba: What?
Student: That he will return his wife to Baba.
Baba: Why will he return his wife? Did she surrender herself (before marriage)? She had not surrendered in the *yagya*.
Student: No. He loved someone in the outside world and got married. And then he repented and then did *bhatti*.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा- कोई कन्या है बाहर की दुनियाँ की है। यज्ञ में सरेन्डर नहीं हुई है। और उसने शादी कर ली। तो शादी करने के बाद वो दुबारा भट्ठी करे पति को साथ लाकरके।

जिज्ञासु- साथ लाके।

बाबा- हाँ।

जिज्ञासु- फिर क्या गीतापाठशाला खुल सकती है वहाँ।

बाबा- हाँ खोल सकती है।

जिज्ञासु- उसके द्वारा।

बाबा- हाँ। बिल्कुल।

जिज्ञासु- नियम से चलें।

बाबा- हाँ। बिल्कुल।

Baba: Suppose there is a virgin (a non-surrendered PBK sister) in the outside world. She has not surrendered in the *yagya*. And she got married. So, after marriage she does *bhatti* once again along with her husband.
Student: Along with him.
Baba: Yes.
Student: Can they open a *gitapathshala*?
Baba: Yes, she can open.
Student: Through him.
Baba: Yes. Definitely.
Student: They should follow the rules.
Baba: Yes. Certainly.

जिज्ञासु- और कई कुमारों का आपस में चल रहा है कि जैसे कई कुमार गीतापाठशाला चलाते थे पहले। ब्रह्माकुमारी आश्रम में। और बाई चान्स.....

बाबा- कुमारों को गीतापाठशाला खोलने को कोई हक नहीं है।

जिज्ञासु- नहीं। उनके दिल में तो अब ये आएगा ना कि बाबा तो हमको गीतापाठशाला खोलने का हक नहीं है।

बाबा- पांडव भवन चलाने का तो हक है।

जिज्ञासु- तो वो समझते हैं कि चलो हम शादी कर लेते हैं।

बाबा- अरे पांडव भवन चलाने का तो हक है।

Student: And if there is an arrangement between many *Kumars* (unmarried PBK brothers). For example many *Kumars* used to run *Gitapathshalas* earlier in the *Brahmakumari Ashram*. And by chance…..
Baba: Kumars are not entitled to open a *gitapathshala*.
Student: No. Baba, they will realize only now (after becoming a PBK) that they do not have a right to open a *gitapathshala.*
Baba: They do have a right to run a *Pandav Bhavan* (a place where unmarried PBK brothers can live together and organize classes for the PBK brothers).

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: They feel, OK, let us get married (so that we could get a right to open a *gitapathshala*).
Baba: They do have the right to run a *Pandav Bhavan*.

जिज्ञासु- तो पांडव भवन में कन्या माता आ नहीं सकती।

बाबा- अरे तो क्या लबड़-2 कोई ज़रूरी है? अरे तुम्हें ज्ञान ही तो देना है।

जिज्ञासु- हाँ जी।

बाबा- ज्ञान देना है। मुरली में बोला है पुरूष पुरूषों को समझायें स्त्रियाँ स्त्री को समझायें। तो कन्यायें मातायें नहीं आयेंगी तो नहीं चलेगा?

Student: So, virgins, mothers cannot come to the Pandav Bhavan.
Baba: Arey! Is it necessary to be with them? Arey! You have to just give knowledge.
Student: Yes.
Baba: You have to give knowledge. It has been said in the Murli that men should explain to men. Women should explain to women. So, will it not do if virgins, mothers do not come?

समय: 13.51-14.10

जिज्ञासु- बाबा, पढ़े नहीं हैं हम तो बाबा ही बाबा याद करेंगे तो हमारे पाप नहीं कटेंगे?

बाबा- कटेंगे।

जिज्ञासु- क्योंकि हम एक भी अक्षर पढ़े नहीं हैं बाबा ही बाबा याद करते हैं।

बाबा- करो ना याद। कौन मना कर रहा है?

जिज्ञासु- पूरे गाँव में उस शहर में कोई भट्ठी नहीं किए हैं। 15-20 जो मान लो कि विधवा मातायें हैं लौकिक में वो भट्ठी कर चुकी।

बाबा- ठीक है। उनमें जो होशियार विधवा माता हो वो अपने घर में गीतापाठशाला खोल ले।

Time: 13.51-14.10
Student: Baba, I am not educated. So, will my sins not be burnt if I just remember Baba?
Baba: They will be burnt.
Student: It is because I am totally illiterate. I just remember Baba.
Baba: So, continue to remember. Who is stopping you?
Student: Nobody has done *bhatti* in the entire village, in that city. 15-20 of them who are widows from a worldly point of view have done *bhatti*.
Baba: It is ok. Whoever is an intelligent widow mother among them can open a *gitapathshala* at her home.

जिज्ञासु- गीता पाठशाला खोल सकते हैं वहाँ। वो सब मतलब मिलकरके क्लास कर सकते हैं वहाँ।

बाबा- विधवा माता हो, बुजुर्ग माता हो, होशियार माता हो, कड़क हो, खोल ले।

जिज्ञासु- वो खोल सकती है और बाई चान्स कोई युगल निकल जाए।

बाबा- युगल निकलें तो युगल होशियार हैं तो उसको सौंपो।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु- नहीं। ट्रान्सफर करें या वो भी चलता रहे और वो भी चलता रहे।

बाबा- अरे मजबूरी का नाम महात्मा गांधी।

Student: A *gitapathshala* can be opened there. That means they all can attend the class there.
Baba: She should be a widow mother; an aged mother, an intelligent and strict mother. She can open [a Gitapathshala].
Student: She can open [a Gitapathshala] and by chance if a couple emerges...
Baba: If a couple emerges and if that couple is intelligent you can hand over to them.
Student: No. Should it be transferred or should both of them function simultaneously?
Baba: Arey! (It is famous in the outside world that) the other name of compulsion is Mahatma Gandhi.

समय:25.25-27.13

जिज्ञासु- बाबा, ज्यादातर अभी युगल है ना जितने भी। चाहे गीतापाठशाला में चाहे बाहर के युगल हो। चाहे कोई भी हों। तो इस समय ऐसा प्रभाव चला हुआ है कि इतनी टक्कर क्यों होती है इन लोगों में? एक सेकण्ड भी संस्कार नहीं मिलते, पुरूषार्थ नहीं बढ़ता आगे क्या कारण है? इतनी टक्कर क्यों हो रही है हर गीतापाठशाला में ऐसा होता।

बाबा- अब रूको भी। टक्कर इसीलिए होती है इस मनुष्य सृष्टि रूपी झाड़ के जो बीज हैं। जगतपिता और जगतम्बा। जब तक उनके ही संस्कार मिलकरके एक नहीं होंगे तो दुनियाँ में ऐसा कौनसा युगल होगा जिसके संस्कार मिलकरके एक हो जायेंगे?

Time: 25.25-27.13
Student: Baba, most of the couples at present, whether in the *gitapathshala* or the couples from outside, whoever they may be. So, now the circumstances are like this; why do so many clashes take place between these people? Their *sanskars* do not match; there is no progress in making purusharth; what is the reason for that? Why are so many clashes taking place? It happens like this in every *gitapathshala.*
Baba: Well, hold on! Clash takes place because the seeds of this human world tree, Jagatpita and Jagatamba…. until their sanskars become one, how can the *sanskars* of any other couple in the world become one?

जिज्ञासु- ये ऐसे ही लड़ते रहेंगे ये सारे युगल आपस में?

बाबा- बिल्कुल लड़ते रहेंगे।

जिज्ञासु- सेवा चलती रहेगी लड़ते रहेंगे सारे?

बाबा- लड़ते रहेंगे।

जिज्ञासु- संस्कारों की टक्कर होती रहती है सुबह से शाम तक।

बाबा- होती रहेगी। आपकी नहीं होती है?

Student: Will all these couples keep fighting with each other like this?
Baba: They will definitely keep fighting.
Student: Will the service and fights (between PBK couples) continue simultaneously?
Baba: They will keep fighting.
Student: The clash of *sanskars* keeps taking place from morning to evening.
Baba: It will continue to take place. Does it not happen in your case?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु- और बाबा ये कब तक होती रहेगी?

बाबा- तब तक होती रहेगी जब तक पहला मणके, जो पहले युगल मणके हैं वो सम्पन्न न हो पायें।

जिज्ञासु- पवित्रता का क्या होगा?

बाबा- दे दान तो छूटे ग्रहण। जब ग्रहण लगता चाहे सूरज ग्रहण हो और चाहे चंद्र ग्रहण हो। तो जो भंगी लोग होते हैं वो क्या बोलते हैं दे दान तो छूटे ग्रहण। क्या जड़ सूर्य और जड़ चंद्रमां को दान देना है? उनकी बात थोड़े। ये तो चैतन्य की बात है। जिससे लिया है उसको देना भी पड़ेगा।

Student: And Baba how long will this continue?
Baba: It will continue until the first beads, the first couple of beads become complete.
Student: What about purity?
Baba: *De daan toh chootey grahann* (if you give donations you will be free from the evil effects of eclipse). When an eclipse happens, whether it is solar eclipse or lunar eclipse, what do the *bhangis* (people belonging to the lowermost caste among the Hindus who used to attend to scavenging work in the past) say? They say, *de daan toh chootey grahan*. Do we have to give donation to the non-living Sun and Moon? It is not about them. It is about the living ones. We will also have to give to those from whom we have taken.

समय: 29.14-29.35

जिज्ञासु- बाबा, जैसे कन्यायें मातायें भट्ठी नहीं की हैं तो वो बाबा को लेटर दे सकती हैं?

बाबा- क्यों नहीं दे सकती? कार्स ले लिया है?

जिज्ञासु- हाँ कोर्स ले लिया है।

बाबा- कोर्स से फोर्स आया? कोर्स लेने के बाद फोर्स आना चाहिए।

Time: 29.14-29.35
Student: Baba, for example, if the virgins or mothers have not done bhatti, can they give letter to Baba?
Baba: Why can't they give? Have they undergone the course?
Student: Yes, they have done the course.
Baba: Did they get force (i.e. inspiration) by undergoing the course? They should get force after undergoing the course.

समय: 29.36-30.09

जिज्ञासु- बाबा, जिस किसी को ज्ञान सुनाना हो उन्हें मुरली नहीं दिखा सकते? टी.वी. में जो मुरलियाँ आती हैं। हमारे पास इतनी बुद्धि नहीं है कि हम उनको ज्ञान सुना सकें तो हम टी.वी. के द्वारा नहीं उनको आपका संदेश दे सकते हैं?

बाबा- हाँ तो जनरल कैसेट सुनाओ आत्माओं को। कुछ कैसेटें ऐसी हैं जो जनरल पब्लिक को भी सुना सकते हैं। ब्रह्मा कुमारों को भी सुना सकते हैं। और जो एडवान्स में चल रहे हैं उनको भी सुना सकते हैं।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु- एकदम नई आत्मा मान लो आती है ना।

बाबा- हाँ तो उनको जनरल कैसेट सुनाओ।

Time: 29.36-30.09

Student: Baba, can't we show Murlis (class on TV) to anyone whom we want to narrate knowledge? The Murlis that we see on TV. We are not intelligent enough to narrate knowledge to them; so, can't we give your message to them through TV?

Baba: Yes, so make those souls to listen to the general cassettes. There are some cassettes which can be played before the general public as well. They can be played before the Brahmakumars as well. And they can be played before those who are following the advance knowledge.

Student: Suppose a completely new soul comes.

Baba: Yes, so, play the general cassettes before them.

समय: 31.45-33.20

जिज्ञासु- बाबा, अज्ञानकाल में पवित्रता के ऊपर झगड़ा होता है तो कोई बात नहीं और ज्ञान में आने के बाद पवित्रता के ऊपर युगल दोनों भट्ठी कर लिए हैं और अगर पवित्रता के ऊपर फिर झगड़ा हो तो ये क्या है?

बाबा- युगलों में से जो पुरूष है वो क्या दुर्योधन दु:शासन नहीं रहता है ज्ञान लेने के बाद?

जिज्ञासु- माताजी बोलती है मैं भाग जाऊँगी, मैं चली जाऊँगी, मैं निकल जाऊँगी।

बाबा- तो कौन मना कर रहा है? डायवोर्स लो और चली जाओ। कोई मना करेगा क्या?

जिज्ञासु- और पुरूष मान जाए तो। घड़ी में मानते हैं घड़ी में नहीं मानते।

Time: 31.45-33.20

Student: Baba, during the period of ignorance, disputes occur on the issue of purity; then it does not matter and after entering the path of knowledge, if the couple has undergone bhatti and then if any dispute takes place on the issue of purity, then what is that?

Baba: Among the couples, does not the male remain a Duryodhan and Dushasan after obtaining knowledge?

Student: The mother says, I will run away, I will leave, I will come out.

Baba: So, who is stopping her? She can obtain a divorce and leave. Will anyone stop her?

Student: And if the husband agrees (to lead a pure life); one moment he agrees and the next moment he does not agree.

बाबा- कोई ऐसी भी हाती हैं जो मनवाए लेती हैं। जैसे पुष्पा माता - वो पति ने मना किया। नहीं जाने देता था, विघ्न डालता था। परेशान करता था। कोर्ट में चढ़ गई। कोर्ट में चढ़ करके उससे लिखवा लिया 'मैं ज्ञान में चलने के लिए मना नहीं करूँगा, कहीं भी सतसंग में जाओगी 4,6,8 दिन के लिए। मैं कुछ भी नहीं कहूँगा। सारी बातें लिखवा लीं।

जिज्ञासु- कोर्ट में।

बाबा- कोर्ट में लिखवा लीं।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु- कोर्ट में लिखवाना है।

बाबा- कोर्ट में।

जिज्ञासु- ऐसे सिम्पल पेपर पर अगर घर में लिखवाते हैं तो क्या काम नहीं चलेगा?

बाबा- वो कोई नहीं मानता। कोर्ट में लिखवा लिया और दुबारा ऐसी गलती करे तो प्रूफ सहित बता दे तो फिर जेल भी हो जाए।

Baba: There are some mothers who persuade (their husband). For example, Pushpa Mata. Her husband did not allow; he used to stop her from going (to the ashram); he used to create obstacles. He used to trouble her. She went to the court. After approaching the court she took a written undertaking from him, "I will not stop her from following the path of knowledge. You can go to any spiritual gathering for 4, 6, 8 days. I will not object." She made him write everything.
Student: In the Court.
Baba: She made him write in the Court.
Student: So should we make them write in the Court?
Baba: In the Court.
Student: Will it not do if we make them write on a simple paper at home?
Baba: Nobody accepts it. If you make him write in the Court and if he repeats the mistake, then if you show the proof (to the court), he will be sent to jail.

जिज्ञासु- और कई युगलों का ये भी हाल है कि वो करते भी हैं समझते भी हैं। और ना करना चाहिए ये भी समझते हैं। और बाद में पश्चाताप भी करते हैं। कोई भी चीज में मनसा में या संकल्पों में पर कर्मेन्द्रियों से नहीं उनका क्या आगे कैसे किया जाए। प्रायश्चित हो, माफीनामा हो या ऐसे ही चलता रहेगा।

बाबा- माफीनामा काहेके लिए? वो तो पोतामेल की बात है पोतामेल लिखकर देना और क्या करना है?

Student: And the condition of some couples is such that they follow and understand as well. They also understand that they should not do like that. And later on they also repent. If anything happens in the mind, in thoughts but not through the bodily organs, then how should they proceed? Should they repent, should they give a written apology or will it continue like this?
Baba: Why a written apology? It is about *potamail*. They should write *potamail* and give; what else can they do?

……..……

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info